Dr. Harisingh Gour Vishwavidyalaya, Sagar (M.P.)
Department of Philosophy (Code-24)
School of Humanities and Social Sciences (Code-20)

(A Central University)

Syllabi Scheme
Post Graduate Diploma in Philosophy
M.A. Philosophy, I[st] & II[nd] Semester

Level & Semester	Course Code	Title of the Course	Credits				Marks
			L	T	P	C	
L8 Sem. I	**PHL-DSM-121**	पारम्परिक भारतीय दर्शन Traditional Indian Philosophy	**6**	**0**	**0**	**6**	**IA (Mid)-40 EA (End Sem.)- 60**
L8 Sem. I	**PHL-DSM-122**	पारम्परिक पाश्चात्य दर्शन Traditional Western Philosophy	**6**	**0**	**0**	**6**	**IA (Mid)-40 EA (End Sem.)- 60**
L8 Sem. I	**PHL-MDM-123**	भारतीय नीतिशास्त्र Indian Ethics	**6**	**0**	**0**	**6**	**IA (Mid)-40 EA (End Sem.)- 60**
L8 Sem. I	**PHL-SEC-124**	तर्कशास्त्र और वैज्ञानिक पद्धति Logic and Scientific Method	**4**	**0**	**0**	**4**	**IA (Mid)-40 EA (End Sem.)- 60**
II[nd] Semester							
L8 Sem. II	**PHL-DSM-221**	समकालीन भारतीय दर्शन Contemporary Indian Philosophy	**6**	**0**	**0**	**6**	**IA (Mid)-40 EA (End Sem.)- 60**
L8 Sem. II	**PHL-DSM-222**	समकालीन पाश्चात्य दर्शन Contemporary Western Philosophy	**6**	**0**	**0**	**6**	**IA (Mid)-40 EA (End Sem.)- 60**
L8 Sem. II	**PHL-MDM-223**	पाश्चात्य नीतिशास्त्र Western Ethics	**6**	**0**	**0**	**6**	**IA (Mid)-40 EA (End Sem.)- 60**
L8 Sem. II	**PHL-SEC-224**	सामाजिक–राजनीतिक दर्शन Socio-political Philosophy	**4**	**0**	**0**	**4**	**IA (Mid)-40 EA (End Sem.)- 60**
L 8 – Exit with Post Graduate Diploma in Philosophy							

PHL-DSM-121- पारम्परिक भारतीय दर्शन								
Level& Semester	Course Code	Title of the Course	Credits				Marks	Course Coordinator
			L	T	P	C		
L8 Sem. I	PHL-DSM- 121	पारम्परिक भारतीय दर्शन	6	0	0	6	IA (Mid)-40 EA (End Sem)- 60	

व्याख्यान / घंटा 90

इकाई 1: वैदिक, अवैदिक एवं आगमिक दर्शनों का उद्‌भव और विकास, भारतीय दर्शन की दो धाराएँ, भारतीय दर्शन की मुख्य विशेषताएँ – कर्मवाद, संसारवाद, मोक्षवाद के विशेष सन्दर्भ में

(18 व्याख्यान / घंटे)

इकाई 2: सांख्य–योग दर्शन : सांख्य दर्शन का द्वैतवाद – पुरूष एवं प्रकृति की अवधारणा, कार्य–कारण सिद्धान्त, विकासवाद का सिद्धान्त, योग दर्शन में चित्त का स्वरूप और परिणाम, चित्त की भूमियाँ, चित्त की वृत्तियाँ, अष्टांगयोग, ईश्वर–विचार

(18 व्याख्यान / घंटे)

इकाई 3: न्याय–वैशेषिक दर्शन : पदार्थ–व्यवस्था, आरम्भवाद, परमाणुवाद, ईश्वर की अवधारणा, प्रमाण–चतुष्टय, अपवर्ग–विचार

(18 व्याख्यान / घंटे)

इकाई 4: बौद्ध एवं जैन दर्शन : बौद्ध दर्शन के आधारभूत सिद्धान्त – नैरात्म्यवाद, क्षणिकवाद और प्रतीत्यसमुत्पाद, बौद्ध दर्शन क चतुर्विध सम्प्रदायों का परिचय – वैभाषिक, सौत्रान्तिक, माध्यमिक एवं योगाचार विज्ञानवाद, जैन दर्शन – द्रव्य सिद्धान्त, अनेकान्तवाद, स्याद्‌वाद

(18 व्याख्यान / घंटे)

इकाई 5: मीमांसा दर्शन और अद्वैत वेदान्त : मीमांसा दर्शन – परिचय, वेद की अपौरूषेयता, धर्म–अपूर्व–विधि, प्रामाण्यवाद, अभिहितान्वयवाद और अन्विताभिधानवाद, अद्वैत वेदान्त – परिचय, ब्रह्म की अवधारणा, ब्रह्म और आत्मा का ऐक्य, अध्यास–अविद्या–माया, विवर्तवाद, सत्ता के स्तर, रामानुज द्वारा मायावाद का खण्डन, मोक्ष–विचार

(18 व्याख्यान / घंटे)

Essential Readings :

1. भारतीय दर्शन, बलदेव उपाध्याय, चौखम्भा विद्या भवन, वाराणसी
2. भारतीय दर्शन, चन्द्रधर शमा, मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी
3. भारतीय दर्शन, दत्त एवं चटर्जी, कलकत्ता यूनिवर्सिटी, कलकत्ता
4. भारतीय दर्शन, सम्पा. एन.के. देवराज, उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ, 2002
5. भारतीय दर्शन, राधाकृष्णन, राजपाल एण्ड सन्स दिल्ली
6. सर्वदर्शन संग्रह, माधवाचार्य, हिन्दी अनु., उमाशंकर शर्मा ऋषि, चौखम्भा विद्या भवन, वाराणसी, 2008
7. भारतीय दर्शन, चटर्जी एवं दत्त, हिन्दी अनुवाद, पुस्तक भण्डार पब्लिशिंग हाऊस, मेरठ, 2020
8. भारतीय दर्शन की रूपरेखा, एम. हिरियन्ना, हिन्दी अनुवाद, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 1973
9. भारतीय दर्शन की रूपरेखा, हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा, एम.एल.बी.डी. पब्लिशर्स, नई दिल्ली, 1963
10. भारतीय दर्शन : आलोचन एवं अनुशीलन, चन्द्रधर शर्मा, एम.एल.बी.डी. पब्लिशर्स, नई दिल्लो, 2013
11. Outlines of Indian Philosophy, M. Hiriyanna, MLBD Publishes, New Delhi, 2014
12. An Introduction to Indian Philosophy, Chatterjee & Datta, University of Calcutta, 1948

13. Critical Survey of Indian Philosophy C.D. Sharma, MLBD Publishers, New Delhi, 2013
14. Indian Philosophy, S. Radha Krishnan, Oxford University Press, 2008
15. History of Indian Philosophy, Erich Frauwallner, MLBD, Delhi, 1984
16. Fundamentals of Indian Philosophy, R. Puliganda, DK. Printworld, New Delhi, 2008.

Suggested Readings :

1. भारतीय दर्शन का इतिहास, एस.एन. दासगुप्ता, राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर, 2012
2. भारतीय दर्शन का सर्वेक्षण, संगमलाल पाण्डेय, सेन्ट्रल पब्लिशिंग हाउस, इलाहाबाद
3. केन्द्रीय बौद्ध दर्शन, टी.आर.व्ही. मूर्ति (द्वितीय अध्याय : भारतीय दर्शन की दो परम्पराएँ), हिन्दी अनुवाद सच्चिदानन्द मिश्र, मोतीलाल बनारसीदास, नई दिल्ली, 2020
4. Indian Philosophy, Jadunath Sinha, MLBD, 2016
5. A History of Indian Philosophy, S.N. Dasgupta, Rupa Publication, India, 2018
6. The Essentials of Indian Philosophy, M. Hiriyanna, MLBD, New Delhi, 2015
7. Rise of Indian Philosophical Schools, Studies in Indian Thought (Collected Papers of T.R.V. Murti), Edited by Harold G. Coward, MLBD, Delhi, 1996

PHL-DSM-122- पारम्परिक पाश्चात्य दर्शन								
Level& Semester	Course Code	Title of the Course	Credits				Marks	Course Coordinator
			L	T	P	C		
L8 Sem. I	PHL-DSM- 122	पारम्परिक पाश्चात्य दर्शन	6	0	0	6	IA (Mid)-40 EA (End Sem)- 60	

व्याख्यान / घंटा 90

इकाई 1: ग्रीक दर्शन : परिचय और प्रमुख विशेषताएँ, सुकरात की ज्ञानमीमांसा और नीतिशास्त्र, प्लेटो की ज्ञानमीमांसा और प्रत्यय सिद्धान्त, अरस्तू का द्रव्य एवं आकार सिद्धान्त

(18 व्याख्यान / घंटे)

इकाई 2: मध्ययुगीन दर्शन : परिचय और प्रमुख विशेषताएँ, ऑगस्टाइन – ईश्वर–विचार, एन्सेलम – ईश्वर–विचार, एक्वीनास – ईश्वर–मीमांसा

(18 व्याख्यान / घंटे)

इकाई 3: बुद्धिवाद : आधुनिक दर्शन का उदय और प्रमुख विशेषताएँ, देकार्त – दार्शनिक–पद्धति, काजिटो इरगो सुम, स्पिनोजा – द्रव्य सिद्धान्त, सर्वेश्वरवाद, लाइबनित्ज – चिद्बिन्दुवाद, पूर्वस्थापित सामंजस्य नियम, मन और शरीर में सम्बन्ध की समस्या – अन्तक्रियावाद, समानान्तरवाद और पूर्वस्थापित सामंजस्य का सिद्धान्त

(18 व्याख्यान / घंटे)

इकाई 4: अनुभववाद : परिचय और प्रमुख विशेषताएँ, लॉक – ज्ञानमीमांसा, अमूर्त प्रत्यय का सिद्धान्त, बर्कले – एस्सी–इस्ट–पसिपी, आत्मनिष्ठ प्रत्ययवाद, ह्यूम – ज्ञानमीमांसा, सन्देहवाद

(18 व्याख्यान / घंटे)

इकाई 5: समीक्षावाद : समीक्षावाद की पृष्ठभूमि, काण्ट द्वारा बुद्धिवाद और अनुभववाद का समन्वय, प्रागनुभविक संश्लेषणात्मक निर्णय की समस्या, बुद्धि–विकल्पों का स्वरूप एवं महत्त्व, देश और काल की अवधारणा

(18 व्याख्यान / घंटे)

Essential Readings :

1. ग्रीक दर्शन का वैज्ञानिक इतिहास, जे.एस. श्रीवास्तव, किताब महल एजेन्सी, इलाहाबाद
2. मध्यकालीन दर्शन का वैज्ञानिक इतिहास, जे.एस. श्रीवास्तव, किताब महल एजेन्सी, इलाहाबाद
3. आधुनिक दर्शन का वैज्ञानिक इतिहास, जे.एस. श्रीवास्तव, किताब महल एजेन्सी, इलाहाबाद

4. पाश्चात्य दर्शन, बी. एन. सिंह, स्टूडेण्ट्स फ्रेण्ड्स एण्ड कम्पनी, 1992
5. पाश्चात्य दर्शन, ह्रदय नारायण मिश्र, शेखर प्रकाशन, इलाहाबाद, 2002
6. पाश्चात्य दर्शन, चन्द्रधर शर्मा, एम.एल.बी.डी. पब्लिशर्स, नई दिल्ली, 1992
7. पाश्चात्य दर्शन का उद्भव एवं विकास, हरिशंकर उपाध्याय, अनुशीलन प्रकाशन, इलाहाबाद
8. आधुनिक पाश्चात्य दर्शन का इतिहास, कृष्णमुरारी प्रसाद वर्मा, नावेल्टी पब्लिकेशन, पटना
9. A Critical History of Western Philosophy, Y. Masih, MLBD Publishers, New Delhi
10. A History of Philosophy, Frank Thilly, EBH Publishers, 2021
11. History of Western Philosophy, B. Russell, Routledge, 2016

Suggested Readings:

1. पाश्चात्य दर्शन का इतिहास,– भाग एक एवं दो, सम्पा. दयाकृष्ण, राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर, 2014
2. काण्ट का दर्शन, सभाजीत मिश्र, उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ
3. काण्ट के दर्शन का तात्पर्य, सम्पा. अम्बिकादत्त शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 2019
4. पाश्चात्य दर्शन की दार्शनिक प्रवृत्तियाँ, जे.एस. श्रीवास्तव, अभिव्यक्ति प्रकाशन, इलाहाबाद, 2013
5. A Critical History of Greek Philosophy, W.T. Stace, Macmillan, 1953

PHL-MDM-123- भारतीय नीतिशास्त्र								
Level& Semester	Course Code	Title of the Course	Credits				Marks	Course Coordinator
			L	T	P	C		
L8 Sem. I	PHL-MDM-123	भारतीय नीतिशास्त्र	6	0	0	6	IA (Mid)-40 EA (End Sem)- 60	

व्याख्यान / घंटा 90

इकाई 1: भारतीय नैतिक चिन्तन के स्रोत, भारतीय नीतिशास्त्र का स्वरूप एवं विशेषताएँ
धर्म की नीतिपरक व्याख्या और स्वरूप

(18 व्याख्यान / घंटे)

इकाई 2: ऋत् एवं सत्य की अवधारणा
विधि, निषेध, अर्थवाद
नैतिक आदर्श के औपनिषद्–सिद्धान्त – सुखविरोधवाद, निराशावाद, सन्यासवाद
आधिभौतिक–आध्यात्मिक कर्मवाद, आनन्दवाद और आत्मानुभूतिवाद

(18 व्याख्यान / घंटे)

इकाई 3: कर्म एवं पुनर्जन्म की अवधारणा
पुरूषार्थ–व्यवस्था
ऋणत्रय और पंचमहायज्ञ

(18 व्याख्यान / घंटे)

इकाई 4: योग दर्शन की नीतिशास्त्रीय अवधारणाएँ – सामासिक धर्म के रूप में यम और नियमों का स्वरूप
भगवद्गीता की नीतिशास्त्रीय अवधारणाएँ – निष्काम कर्मयोग, लोकसंग्रह, स्वधर्म की अवधारणा

(18 व्याख्यान / घंटे)

इकाई 5: बौद्ध नीतिशास्त्रीय अवधारणाएँ – आष्टांगिक मार्ग, पारमिताएँ, ब्रह्मविहार
जैन नीतिशास्त्रीय अवधारणाएँ – त्रिरत्न, महाव्रत, अणुव्रत

(18 व्याख्यान / घंटे)

Essential Readings :

1. भारतीय नीतिशास्त्र का विकास, राजबली पाण्डेय, मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी
2. भारतीय नीतिशास्त्र, दिवाकर पाठक, बिहार हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, पटना, 1994
3. नीतिशास्त्र के प्रमुख सिद्धान्त (भारतीय एवं पाश्चात्य), हृदय नारायण मिश्र, शेखर प्रकाशन, इलाहाबाद, 2007
4. नीतिशास्त्र की रूपरेखा (भारतीय एवं पाश्चात्य), अशोक कुमार वर्मा, मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी, 1996
5. उपनिषद्–दर्शन का रचनात्मक सर्वेक्षण, आर.डी. रानाडे, राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर, 1971
6. भारतीय नीति मीमांसा, सम्पा. राजवीर सिंह शेखावत, डिम्पल पब्लिकेशन्स, जयपुर, 2007
7. उपनिषदों का नीति दर्शन, सन्तोष आचार्य, प्राकृत भारतीय अकादमी, जयपुर, 2014
8. जैन, बौद्ध, गीता के आचार दर्शनों का तुलनात्मक अध्ययन, सागरमल जैन, पाकृत भारती अकादमी, जयपुर
9. A Manual of Hindu Ethics, G.A. Chandavarkar, Rupa, Publications Pvt. Ltd, 2010
10. Ethics of the Hindus, S.K. Maitra, Progressive Publishers, Calcutta, 1962

11. Classical Indian Ethical Thought : A Philosophical Study of Hindu, Jaina and Bauddha Morals, Keadar Nath Tiwari, MLBD, Delhi, 2017

Suggested Readings :

1. भारतीय नीतिशास्त्र का इतिहास, बी.एल. आत्रेय, हिन्दी समिति, सूचना विभाग, लखनऊ, उत्तर प्रदेश
2. भारतीयता के सामासिक अर्थ–सन्दर्भ, अम्बिकादत्त शर्मा, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली, 2015
3. Comparative Ethics in Hindu and Buddhist Traditions, Roderick Hindery, MLBD, Delhi
4. Jain Ethics, Dayanand Bhargav, MLBD, 2018
5. The Hindu View of Life, S. Radhakrishnan, George Allen & Unwin, Pvt., 1976

PHL-SEC-124- तर्कशास्त्र और वैज्ञानिक पद्धति								
Level & Semester	**Course Code**	**Title of the Course**	**Credits**				**Marks**	**Course Coordinator**
			L	**T**	**P**	**C**		
L8 Sem. I	**PHL-SEC-124**	**तर्कशास्त्र और वैज्ञानिक पद्धति**	4	0	0	**4**	**IA (Mid)-40** **EA (End Sem)- 60**	

व्याख्यान / घंटा 60

इकाई–1: तर्कशास्त्र का परिचय – परिभाषा, युक्ति का स्वरूप, आगमन और निगमन, सत्यता और वैधता
तर्कवाक्य, आकार, प्रकार
निरपेक्ष तर्कवाक्य – गुण, परिमाण और पदव्याप्ति
निरपेक्ष तर्कवाक्यों का प्रतीकीकरण एवं निरपेक्ष तर्कवाक्यों के वेन–रेखाचित्र

(12 व्याख्यान / घंटे)

इकाई–2: परम्परागत वर्ग विरोध – व्याघातकता, विपरीतता, अनुविपरीतता, उपाश्रयता
अनुमान : व्यवहित और अव्यवहित – परिवर्तन, प्रतिवर्तन, परिप्रतिवर्तन, आवर्तन

(12 व्याख्यान / घंटे)

इकाई–3: निरपेक्ष न्याय वाक्य – मानक आकार, आकृति और अवस्था
न्याय वाक्य को वैधता परीक्षण की प्रविधियाँ – नियम एवं दोष, वेन आरेख पद्धति

(12 व्याख्यान / घंटे)

इकाई–4: सत्यता फलन और सत्यता फलक सम्बन्धक – सरल और मिश्र प्रतिज्ञप्ति
संयोजन, निषेध, वियोजन आपादन, द्विआपादन
युक्तियों की वैधता परीक्षण की सत्यता सारणी विधि

(12 व्याख्यान / घंटे)

इकाई–5: वैज्ञानिक व्याख्या – स्वरूप, मूल्याँकन और सीमाएँ, प्राक्कल्पना के प्रकार और नियम,
जे.एस. मिल की वैज्ञानिक पद्धतियाँ

(12 व्याख्यान / घंटे)

Essential Readings :

1. तर्कशास्त्र का परिचय, इरविंग एम. कोपी अनु. संगमलाल पाण्डेय, एशिया बुक कम्पनी इलाहाबाद
2. प्रतीकात्मक तर्कशास्त्र, आर.एन. मिश्र, राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी
3. तर्कशास्त्र प्रवेश, बाके लाल शर्मा, हरियाणा ग्रन्थ अकादमी
4. प्रतीकात्मक तर्कशास्त्र प्रवेशिका, अशोक कुमार वमा, मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी
5. निगमनात्मक तर्कशास्त्र, केदारनाथ तिवारी, मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी
6. आगमन तर्कशास्त्र,केदारनाथ तिवारी, मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी
7. तर्कशास्त्र, श्याम किशोर सेठ, नीलिमा मिश्रा, लोकभारती, इलाहाबाद

8. तर्कशास्त्र एवं वैज्ञानिक पद्धति, केदारनाथ तिवारी, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
9. प्रतिकात्मक तर्कशास्त्र, केदारनाथ तिवारी, बिहार हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, पटना, 1988
10. An Introduction to Logic & Scientific Method, Cohen & Nagel. Routledge & Kegan Paul LTD, 1955
11. Introduction to Logic, Irvin M. Copi, Carl Cohen, Victor Rodych, Routledge, New York, 15th edition, 2019
12. A Textbook of Logic, Krishna Jain, DK. Printworld, 2012

Suggested Readings :

1. तर्कशास्त्र एवं वैज्ञानिक प्रणाली, मोरिस आर. एवं कोहन अर्नेष्ट नागल, अनु. पूर्णचन्द्र जैन, मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, भोपाल, 2000
2. Logic, Chhanda Chakraborti, PHI, Learning Private Limited Delhi, 2016
3. Introduction to Logic, Irvin M. Copi, The Macmillan Company, New York, 1961

PHL-DSM-221- समकालीन भारतीय दर्शन								
Level& Semester	Course Code	Title of the Course	Credits				Marks	Course Coordinator
			L	T	P	C		
L8 Sem. II	PHL-DSM- 221	समकालीन भारतीय दर्शन	6	0	0	6	IA (Mid)-40 EA (End Sem)- 60	

व्याख्यान / घंटा 90

इकाई–1: समकालीन भारतीय दर्शन की पृष्ठभूमि
समकालीन भारतीय दर्शन की मुख्य प्रवृत्तियाँ
समकालीन भारतीय दर्शन की मुख्य विशेषताएँ

(18 व्याख्यान / घंटे)

इकाई–2: स्वामी विवेकानन्द – व्यावहारिक वेदान्त, सार्वभौम धर्म की अवधारणा
रवीन्द्रनाथ टैगोर – मानववाद

(18 व्याख्यान / घंटे)

इकाई–3 : महात्मा गाँधी – स्वराज की अवधारणा, सर्वोदय–विचार
श्रीअरविन्द – विकासवाद, योग समन्वय

(18 व्याख्यान / घंटे)

इकाई–4 : के.सी. भट्टाचार्य – विचारों में स्वराज, सैद्धान्तिक चेतना के स्तर
सर्वपल्ली राधाकृष्णन – अन्तःप्रज्ञा की अवधारणा, धार्मिक अनुभूति का स्वरूप

(18 व्याख्यान / घंटे)

इकाई–5 : आसन्नभूत के प्रतिनिधि भारतीय दार्शनिक :
एम.एन. राय – उत्कट मानवतावाद
भगवानदास – धर्मों की बुनियादी एकता
एन.के. देवराज – सर्जनात्मक मानववाद
दयाकृष्ण – सर्जनात्मकता एवं स्वतंत्रता की अवधारणा
यशदेव शल्य – मानवीय सर्जना की तत्त्वमीमांसा

(18 व्याख्यान / घंटे)

Essential Readings :

1. समकालीन भारतीय दर्शन, बी.के. लाल, मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी
2. समकालीन भारतीय दर्शन, लक्ष्मी सक्सेना, मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी
3. समकालीन भारतीय दर्शन, बी. नरवड़े, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी
4. भारतीय दर्शन, सम्पा. एन.के. देवराज, उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान लखनऊ
5. Indian Philosophers of Recent Past, Sanjay Kumar Shukla, DK Printworld, New Delhi, 2022
6. Contemporary Indian Philosophy, Basant Kumal Lal, MLBD, 2017

Suggested Readings :

1. ग्राम स्वराज्य, एम.के. गाँधी, नवजीवन प्रकाशन मन्दिर, अहमदाबाद, 2015
2. गाँधी दर्शन मीमांसा, रामजी सिंह, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्, पटना, बिहार
3. सामाजिक पुनर्निमाण में भगवान दास के धर्म–दर्शन का योगदान, पीताम्बर दास, ओमप्रकाश सोनिया, विश्वज्ञान अध्ययन संस्थान, वाराणसी, 2014
4. भारतीय दर्शन के 50 वर्ष, सम्पा. अम्बिकादत्त शर्मा, विश्वविद्यालय प्रकाशन, सागर, 2006
5. यशदेव शल्य समग्र, सम्पा. अम्बिकादत्त शर्मा, डी.के. पिन्टवर्ल्ड, नई दिल्ली, 2016
6. The Svaraj, Navajivan Prakashan Mandir, Ahamedabad, 2004
7. The Philosophy of Daya Krishna, Edited by Bhuvan Chandel, K.L. Sharma, ICPR, New Delhi, 1996

PHL-DSM-222- समकालीन पाश्चात्य दर्शन								
Level& Semester	**Course Code**	**Title of the Course**	**Credits**				**Marks**	**Course Coordinator**
			L	**T**	**P**	**C**		
L8 Sem. II	PHL-**DSM- 222**	**समकालीन पाश्चात्य दर्शन**	6	0	0	**6**	**IA (Mid)-40** **EA (End Sem)- 60**	

व्याख्यान / घंटा 90

इकाई–1: समकालीन पाश्चात्य दर्शन की पृष्ठभूमि, प्रवृत्तियाँ और विशेषताएँ
एफ.एच. ब्रैडले – आभास एवं सत् की समस्या, निरपेक्ष प्रत्ययवाद
विलियम जेम्स – सत्य का अर्थक्रियावादी सिद्धान्त, उत्कट अनुभववाद

(18 व्याख्यान / घंटे)

इकाई–2: जी.ई. मूर – प्रत्ययवाद का खण्डन, इन्द्रिय प्रदत्त का सिद्धान्त
बर्ट्रेण्ड रसेल – तार्किक अणुवाद, विवरण का सिद्धान्त

(18 व्याख्यान / घंटे)

इकाई–3: लुडविग विट्गेन्स्टाइन – सत्य का चित्र–सिद्धान्त, भाषायी–खेल का सिद्धान्त
ए.जे. एयर – सत्यापन का सिद्धान्त, तत्त्वमीमांसा का प्रत्याख्यान

(18 व्याख्यान / घंटे)

इकाई–4: गिलबर्ट राइल – कोटि–भ्रम का सिद्धान्त
जे.एल. आस्टिन – भाषा की सम्पादनात्मकता का सिद्धान्त
पी.एफ. स्ट्रासन – व्यक्ति का सिद्धान्त

(18 व्याख्यान / घंटे)

इकाई–5: एडमण्ड हुस्सर्ल – फेनोमेनोलॉजिकीय विधि, विषयापेक्षी चेतना का स्वरूप
ज्यॉ.पाल. सार्त्र – अस्तित्व सार का पूर्वगामी है, स्वतन्त्रता का प्रत्यय

(18 व्याख्यान / घंटे)

Essential Readings :

1. समकालीन पाश्चात्य दर्शन, नित्यानन्द मिश्र, मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी
2. समकालीन पाश्चात्य दर्शन, लक्ष्मी सक्सेना एवं सभाजीत मिश्र, उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ
3. समकालीन पाश्चात्य दर्शन, बी.के. लाल, मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी
4. विटगेन्स्टाइन के दर्शन की रूपरेखा, कालीचरण पाण्डेय, एन.बी.बी.सी., नई दिल्ली, 2005
5. अस्तित्ववाद के प्रमुख विचारक, लक्ष्मी सक्सेना एवं सभाजीत मिश्र, मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादमी
6. पाश्चात्य दर्शन की समकालीन प्रवृत्तियाँ, सुरेन्द्र वर्मा, मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, 2000
7. The Chief Currents of Contemporary Philosophy, Dhirendra Mohan Datta, The University of Calcutta, 1950
8. Recent Development in Analytical Philosophy, R.C. Pradhan, Indian Council of Philosophical Research, New Delhi
9. Contemporary Philosophy and its Origins, Sheldon P. Peterfreund, and Theodore C. Denise, East-West Press PVT. LTD. New Delhi, 1967

Suggested Readings :

1. पाश्चात्य दर्शन का इतिहास, भाग एक एवं दो, सम्पा. दयाकृष्ण, राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी
2. शंकराचार्य एवं सार्त्र के दर्शन में मानव नियति, आनन्द मिश्र, भारती विद्याभवन, वाराणसी, 2000
3. Appearance and Reality, F.H. Bradley, Oxford Univ. Press, London, 1959
4. The Concept of Mind, Gilbert Ryle, Hutchinson's University Library London, 1955
5. Philosophy in the Twentieth Century, A.J. Ayer, Counter Points Publisher, 1982
6. Speech Act and Linguistic Communications, Rishikant Pandey, Concept Publishing Company, New Delhi, 2008

PHL-MDM-223- पाश्चात्य नीतिशास्त्र								
Level& Semester	**Course Code**	**Title of the Course**	**Credits**				**Marks**	**Course Coordinator**
			L	**T**	**P**	**C**		
L8 Sem. II	**PHL-MDM-223**	**पाश्चात्य नीतिशास्त्र**	6	0	0	**6**	**IA (Mid)-40 EA (End Sem)-60**	

व्याख्यान / घंटा 90

इकाई 1: नीतिशास्त्र का स्वरूप, विषय–क्षेत्र एवं ऐतिहासिक विकास

नीतिशास्त्र का अन्य शास्त्रों से सम्बन्ध – समाजशास्त्र, मनोविज्ञान, राजनीतिशास्त्र, धर्म–शास्त्र और दर्शनशास्त्र

नीतिशास्त्र की विधियाँ – इन्द्रियानुभाविक विधि, तत्त्वशास्त्रीय विधि, अन्तर्दृष्टि विधि

(18 व्याख्यान / घंटे)

इकाई 2: नीतिशास्त्र की पूर्व मान्यताएँ – व्यक्तित्त्व, विवेक, संकल्पस्वातन्त्र्य, आत्मा की अमरता, ईश्वर का अस्तित्त्व

नैतिक निर्णयों का स्वरूप – तथ्यपरक एवं मूल्यपरक निर्णय, नैतिक निर्णयों के स्वरूप के सम्बन्ध में विभिन्न अवधारणाएँ

नैतिक निर्णय के मानदण्ड – कर्तव्यपरक मानदण्ड, बाह्य नियमवाद और उसके पकार

(18 व्याख्यान / घंटे)

इकाई 3: उपयोगितावाद – अर्थ एवं पृष्ठभूमि, बेन्थम का उपयोगितावाद, जे.एस. मिल का उपयोगितावाद, हर्बर्ट स्पेन्सर का विकासवादी उपयोगितावाद

(18 व्याख्यान / घंटे)

इकाई 4: काण्ट का नैतिक दर्शन – निरपेक्ष आदेश, शुभ–संकल्प, नीति–सूत्र

(18 व्याख्यान / घंटे)

इकाई 5: आत्मपूर्णतावाद – अर्थ एवं सामान्य विशेषताएँ, हेगल का आदर्शवाद, ब्रेडले का आत्मपूर्णतावाद, बोसांक्वे का आत्मपूर्णतावाद

(18 व्याख्यान / घंटे)

Essential Readings :

1. नीति विज्ञान के मूल सिद्धान्त, लक्ष्मी सक्सेना, अवध पब्लिशंग हाउस, 2006
2. नीतिशास्त्र, सिद्धान्त और प्रयोग, नित्यानन्द मिश्र, मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी, 2004
3. नीतिशास्त्र के प्रमुख सिद्धान्त, हृदय नारायण मिश्र, शेखर प्रकाशन, इलाहाबाद, 1988
4. नीतिशास्त्र, शान्ति जोशी ज्ञानमण्डल लिमिटेड, वाराणसी, 1956
5. नीतिशास्त्र की रूपरेखा, अशोक कुमार वर्मा, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली

Suggested Readings :

1. नीतिशास्त्र मीमांसा, जार्ज एडवर्ड मूर, अनु. अशोक कुमार वर्मा, हिन्दी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली
2. नीतिशास्त्र के इतिहास की रूपरेखा, हेनरी सिजविक, हिन्दी अनु. सागरमल जैन, प्राच्य विद्यापीठ, 2017
3. An Introduction to Ethics, William Lille, Jyoti Enterprises, Delhi, 2021

PHL-SEC-224- सामाजिक–राजनीतिक दर्शन								
Level & Semester	Course Code	Title of the Course	Credits				Marks	Course Coordinator
			L	T	P	C		
L8 Sem. II	PHL-SEC- 224	सामाजिक–राजनीतिक दर्शन	4	0	0	4	IA (Mid)-40 EA (End Sem)- 60	

व्याख्यान / घंटा 60

इकाई 1 : सामाजिक–राजनीतिक दर्शन का स्वरूप, विषय–क्षेत्र और समस्याएँ, व्यक्ति और समाज के बीच सम्बन्ध विषयक विभिन्न अवधारणाएँ, राज्य के कार्य–विषयक सावयवी और यांत्रिक सिद्धान्त

(12 व्याख्यान / घंटे)

इकाई 2 : सामाजिक–राजनीतिक आदर्श – स्वतंत्रता, समानता, न्याय, अधिकार, बन्धुत्व

(12 व्याख्यान / घंटे)

इकाई 3 : सामाजिक–राजनीतिक विचारधाराएँ – लोकतंत्र, सर्वाधिकारवाद, समाजवाद, साम्यवाद, संविधानवाद, उदारवाद

(12 व्याख्यान / घंटे)

इकाई 4 : समकालीन सामाजिक–राजनीतिक विचारधाराएँ – उत्तर–आधुनिकतावाद, बहुसंस्कृतिवाद, नारीवाद, पर्यावरणवाद, मानवाधिकार

(12 व्याख्यान / घंटे)

इकाई 5 : सामाजिक–राजनीतिक भारतीय विचारक :
महात्मा गाँधी – सर्वोदय और स्वदेशी
जवाहरलाल नेहरू – अन्तरराष्ट्रवाद
रविन्द्रनाथ टैगोर – राष्ट्रवाद
दीनदयाल उपाध्याय – एकात्म–मानव दर्शन

(12 व्याख्यान / घंटे)

Essential Readings :

1. समाजदर्शन : सैद्धान्तिक एवं समस्यात्मक विवेचन, हृदय नारायण मिश्र, शेखर प्रकाशन, इलाहाबाद
2. सामाजिक–राजनीतिक दर्शन की रूपरेखा, राममूर्ति पाठक, अभिमन्यु प्रकाशन, इलाहाबाद, 2004
3. समाज और राजनीति दर्शन, रमेन्द्र, मोतीलाला बनारसीदास, दिल्ली, 2005
4. प्रारम्भिक समाज एवं राजनीति दर्शन, अशोक कुमार वर्मा, मोतीलाल बनारसीदास, 1999
5. समाजिक राजनीतिक दर्शन के नये आयाम, हृदय नारायण मिश्र, शेखर प्रकाशन, इलाहाबाद, 2001
6. समाज दर्शन, शिव भानु सिंह, शेखर प्रकाशन, इलाहाबाद
7. आधुनिक भारतीय सामाजिक एवं राजनीतिक विचारक, व्ही.पी. वर्मा, राधाकृष्ण पब्लिकेशन, मेरठ
8. समाज दर्शन, सत्यपाल गौतम, पॉपुलर प्रकशन, चण्डीगढ, 1986

Suggested Readings :

1. Social and Political Thought of Mahatma Gandhi, B. Charkaravarti, Routledge Publisher, 2006
2. Principles of Social & Political Theory, Barker, Ernest. Calcutta : Oxford University Press, 1978
3. Social Philosophy : Past and Future, Daya Krishna, Institute of Advanced Study, Shimla, 1969
4. Essays in Social and Political Philosophy, Edited by Krishna Roy & Chhanda Gupta, Indian Council of Philosophical Research, New Delhi, 1989
5. गाँधी और उत्तर–गाँधी सवोदयी–विमर्श, आभा नवनी, मध्य भारती, अंक–73, डॉ0 हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय प्रकाशन, जुलाई–दिसम्बर, 2017
6. हन्ना आरेंट : हिंसा का उत्खनन, अम्बिकादत्त शर्मा एवं विश्वनाथ मिश्र, प्राकृत भारती अकादमी, जयपुर, 2021
7. भारतीय राष्ट्रवाद, विश्वनाथ मिश्र, डी.के. प्रिन्टवर्ल्ड, नई दिल्ली, 2022
8. एकात्म मानववाद, दीनदयाल उपाध्याय, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली